

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

तारंकत प्रश्न ँ : 1024

07 , 2020 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

- ष्ट

1024. ल

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ँ करगे कऱ:

(क) गत तीन वर्षाँ के दौरान देश म विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों म वार्षिक रूप से राज्य/संघ ँ क्षेत्र- ँ -मेडिकल अपशिष्ट उत्पन्न होता है;

(ख) उक्त अपशिष्ट के निपटान हेतु क्या प्रणाली विद्यमान है;

() क / स - ष्ट (प्र) 2016 प्रावधनों का अनुपालन नहीं कर रहे हो तथा यदि हां, त ब्यौरा क्या है तथा नियमां ल करने वालों के विरुद्ध राज्य/संघ राज्यक्षेत्र- क कारवाई को गई है;

() द्वारा सम्पूर्ण देश म अस्पतालों द्वारा उचित रूप से -मेडिकल अपशिष्ट का निपटान सुनिश्चित क प्रभावी उपाय किए गए हो/किए जा रहे हो?

त

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क): राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोड (एसपीसीबी)/प्रदूषण नियंत्रण समितियाँ (पीसीसी) (2016, 2017 तथा 2018) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार देश म पैदा होने वाले जैव चिंकित्सा अपशिष्ट को मात्रा का राज्यवार ग्र -।

(ख): केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोड तथा बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 से प्राप्त सूचना के अनुसार, बायो मेडिकल अपशिष्ट को 4 प्रकार को अपशिष्ट श्रेणियाँ म वर्गीकृत करना अनिवाय है तथा इस

1 के तहत निर्धारित विशिष्ट अपशिष्ट विधियों के अनुसार इसका निपटान किया जाना

अस्पतालों के बायोमेडिकल अपशिष्ट का सामान्य बायो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन तथा निपटान संकाय द्वारा निपटान किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य परिरचया सुविधाओं तक पहुँचाने में कोई सामान्य सुविधा न होने के मामले में इस प्रकार को स्वास्थ्य परिरचया सुविधाओं में कैप्टीव उपचार तथा निपटान सुविधा

मेडिकल अपशिष्ट के पर्यावरणीय सुरक्षित निपटान हेतु 28 राज्यों में 200 प्राधिकृत सामान्य बायोमेडिकल अपशिष्ट उपचार तथा निपटान सुविधाएं (सीबीडब्ल्यूटीएफ) हैं। शेष 7 राज्यों नामतः गोवा, अंडमान निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, मिजोरम, नागालैण्ड तथा सिक्किम में सीबीएचटीएफ नहीं हैं। सामान्य सुविधाओं के अतिरिक्त, स्वास्थ्य परिरचया सुविधाओं द्वारा 12,296 कैप्टीव उपचार तथा निपटान सुविधाएं स्थापित की गई हैं। बायोमेडिकल अपशिष्ट के प्रबंधन हेतु संबद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/आबादी (एसपीसीबी/पीसीसी) से प्रत्येक स्वास्थ्य परिरचया सुविधा, बिस्तरों तथा गैर-रिपोर्टिंग हेतु प्राधिकरण प्राप्त करना अनिवार्य है। वर्ष 2018 को वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2,60,889 स्वास्थ्य परिरचया सुविधाएं हैं जो प्रतिदिन 608 एमटी बायोमेडिकल अपशिष्ट पैकजिंग; 528 बायोमेडिकल अपशिष्ट का प्रबंधन या तो सीबीडब्ल्यूटीएफ अथवा कैप्टीव निपटान सुविधाओं द्वारा किया जाता

बायो मेडिकल अपशिष्ट के प्रबंधन को सामान्य विधियाँ हैं। पीली श्रेणी के अपशिष्ट हेतु जलाना/प्लाज्मा / नाना; लाल श्रेणी के अपशिष्ट हेतु ऑटोक्लेविंग/माइक्रोवेविंग/कैमिकल किटाणुशोधन; सफेद श्रेणी के नुकोली वस्तुओं हेतु कतरन और नसबंदी, कंक्रीट के गड्ढे में दबाना/ ड्रिप टैंक / रिसाईक्लिंगइनकैपसुलेशन तथा नीली श्रेणी के कांच के अपशिष्ट हेतु वार्षिक किटाणुशोधन

(ग): वर्ष 2018 को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/प्रदूषण नियंत्रण समिति (एसपीसीबी/पीसीसी) से प्राप्त वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के तहत स्वास्थ्य परिरचया सुविधाओं (एचसीएफ) अथवा सामान्य बायोमेडिकल अपशिष्ट उपचार तथा निपटान सुविधाओं (सीबीडब्ल्यूटीएफ) के विरुद्ध 27427 उल्लंघन के मामलों को रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिसमें से इस प्रकार के उल्लंघन हेतु संबद्ध एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा 16,960 एचसीएफ/सीबीडब्ल्यूटीएफ को कारण बताओ नोटिस/निदेश जारी किए गए हैं। 2019 के दौरान, एचसीएफ/सीबीडब्ल्यूटीएफ को एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा 46,442 नोटिस/निदेश जारी किए गए हैं।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुपालन को जाँच हेतु एससीएफ/सीबीडब्ल्यूटीएफ के औचक जाँच के दौरान, 2019 के दौरान, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत 5,33 एचसीएफ/सीबीडब्ल्यूटीएफ के विरुद्ध कारवाई की गई।

(घ): राज्यों/संघ शासित राज्यों में बायोमेडिकल अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने हेतु सभी एसपीसीबी/पीसीसी को जाँच केन्द्रीय पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जाती है।

अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप बायोमेडिकल अपशिष्ट के प्रबंधन को सुनिश्चित करने हेतु सीपीसीपी ने पणधारकों हेतु निम्न दिशा-

- i. -मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन तथा निपटान सुविधाओं हेतु संसोधित दिशा-
- ii. बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के अनुसार स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं म स्वास्थ्य परिचर्या अपशिष्ट के प्रबंधन हेतु दिशा-
- iii. बायोमेडिकल अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन हेतु बार कोड प्रणाली हेतु दिशा-
- iv. उपयोगिता हेतु बायोमेडिकल अपशिष्ट के प्र f -
- v. स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं से उत्पन्न मकरी अपशिष्ट पदार्थों का पयावरणीय दृष्टि से उचित निपटान।
- vi. "एचसीएफ तथा सीबीडब्ल्यूटीएफ के पयावरण क्षतिपूर्ति के घटक हेतु दिशा-
- vii. बायो मेडिकल अपशिष्ट इनसिरेटर के द्वितीय कमनैशन चैम्बर म दूसरे रेजिडेन्स समय के सत्यापन हेतु f -

ग्र				
क्र.	उ	2016 ₹ किग्रा / दिन	2017 ₹ किग्रा / दिन	2018 ₹ जनरेशन किग्रा / दिन
1		380	187	199.3
2	ध्र प्र	9898	10662.27	15144
3	अरुणाचल प्रदेश	577.4	645.4	888.67
4		7925.8	8564.95	7820.67
5		8827.69	33799.97	34812.9
6		1994	2503	3188
7	र्त्त	1988.85	1104.493	16096
8		253.9	322	331
9	दिल्ली	24996.44	24667.05	26757.5
10		2660.34	874	1837.1
11		30296	29070	33706
12	र्ि	11171.02	11662.91	14217.88
13	प्र	1717.70	3018.3	2570.12
14		12829.98	12498.04	12788.2
15	जम्मू और कश्मीर	885.94	4618.58	4482.9
16		66468	67339	65621.2
17		37773.45	40990	71976.14
18	लक्षद्वीप	80	423	527
19	मध्य प्रदेश	12810	14824	15846.74
20	ष्ट्र	71511.5	61918	62418
21		367.49	529.14	1140.16
22		972.97	1061.5	1432.87
23		440.09	747.63	830.74
24		751.48	626.5	631.75
25		13795.34	14197.49	14564
26		5849.8	5400	4319.8
27		14668	15203	15980.7
28	रु	21722.84	22502.57	22261.756
29	सिक्किम	388.44	235.21	396.7
30		43789.08	46818.8	47196.9
31		13220	15719	16243
32	त्रे	1607	1607	1401.5
33	त्त	2557.32	2946	4111.39
34	त्त प्र	37655	43554	46401
35	श्च	26858.76	29773.84	34123.62
36		27995.26	28470.21	6350.64
		517685	559084	608616
